संपादकीय

भारत की आर्थिक बदहाली

असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

भारतीय अर्थव्यवस्था की प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता इतनी कमजोर क्यों है कि हर व्यापार मुकाबले में वह पिट जाती है? देश सही दिमागी हालत में हो तो इस सवाल से उसकी नींद उड़ जानी चाहिए। बहुपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों से भारत को नुकसान की आशंका से ग्रस्त नरेंद्र मोदी सरकार ने क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक पार्टनरशिप (आरसीईपी) करार से अंतिम मौके पर खुद को अलग कर लिया था। तब हौव्वा बनाया गया कि ऐसा समझौते में शामिल अन्य देशों के रास्ते चीन की उत्पादों डंपिंग से बचने के लिए किया गया। उसके बाद मोदी सरकार ने द्विपक्षीय मुक्त व्यापार समझौतों का रास्ता अपनाया। यूएई, ऑस्ट्रेलिया, यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन आदि से ऐसे करार हुए। ब्रिटेन सहित कई देशों से द्विपक्षीय समझौते पर बातचीत चल रही थी। मगर अब अचानक सरकार ने ऐसी सभी वार्ताओं पर विराम लगाने का फैसला किया है।

वजह हाल के वर्षों में हुए सभी ऐसे समझौतों से भारत को हो रहे बढ़ते व्यापार घाटे को बताया गया है। साथ ही सरकार ने 2010 में आसियान से हुए करार का भी जिक्र किया है, जिसकी वजह से भारत को लगातार व्यापार घाटा हुआ है। कहा जाता है कि उसके परिणामस्वरूप कई भारतीय कारोबार तबाह हो गए। मोदी सरकार ने आसियान से कई बार इस समझौते पर पुनर्विचार को कहा है, जिसे उसे स्वीकार नहीं किया है। इस बीच यूएई से हुए बहुचर्चित करार के बारे में सामने आया है कि इस वित्त वर्ष की पहली छमाही में वहां से आयात 52 फीसदी बढ़ा, जबकि निर्यात में सिर्फ 11.45 प्रतिशत का इजाफा हुआ।

इसके अतिरिक्त एक नई चिंता यह पैदा हुई है कि इन समझौतों के कारण भारतीय निवेशकों को वहां जाकर निवेश करने के अवसर मिले हैं, जिसका वे खूब लाभ उठा रहे हैं। जबकि भारत को खुद बड़े निवेश की आवश्यकता है। यानी नुकसान ही नुकसान! तो अब खुशफहमियों से निकलने की जरूरत है। असल मुद्दा यह है कि आखिर भारतीय अर्थव्यवस्था में बाहरी कारोबार से प्रतिस्पर्धा एवं मुनाफा देने की क्षमता इतनी कमजोर क्यों बनी हुई है? इस प्रश्न का ठोस उत्तर नहीं ढूंढा गया, तो भारत की आर्थिक बदहाली बढ़ती ही जाएगी।

ई-कॉमर्स साइट्स ने 1 लाख करोड़ रुपए की बिक्री दर्ज की, त्योहारी सीजन का मिला फायदा

नई दिल्ली

भारत के छोटे शहरों और कस्बों में निजी खपत और मांग बढ़ने के साथ त्योहारी सीजन ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के लिए शानदार रहा। एक लेटेस्ट रिपोर्ट के अनुसार, प्रीमियमाइजेशन के बढ़ते ट्रेंड के साथ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म ने महीने भर चलने वाले त्योहारी सीजन में सकल व्यापारिक मूल्य (जीएमवी) 1 लाख करोड़ रुपये से अधिक दर्ज किया है।

उद्योग के आंकड़ों के अनुसार, यह देश में प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पिछले साल की त्योहारी बिक्री से 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि है। 26 सितंबर से शुरू हुई त्योहारी बिक्री के पहले सप्ताह में अकेले 55,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो कुल बिक्री का लगभग आधा है।

ई-कॉमर्स कंसल्टेंसी डेटम इंटेलिजेंस ने इस त्योहारी सीजन में बिक्री में 23 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि का अनुमान लगाया है।

मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स और फैशन कैटेगरी में तेजी आई, जबकि अन्य कैटेगरी जैसे ब्यूटी और पर्सनल केयर, होम और क्विक कॉमर्स लेड ग्रॉसरी में सामान्य रूप से बेहतर कारोबार (बीएयू) प्रदर्शन रहा।

क्विक कॉमर्स ने 2023 से बेहतर प्रदर्शन किया है। इस बार क्विक कॉमर्स ने समग्र ई-कॉमर्स वृद्धि में लगभग 8 प्रतिशत का योगदान दिया है, जो कि पिछले साल 5 प्रतिशत था।

त्योहारी सीजन के दौरान स्मार्टफोन की बिक्री सबसे ज्यादा रही, ऑनलाइन बिक्री से स्मार्टफोन की खरीद में करीब 65 फीसदी की हिस्सेदारी रही। प्रीमियम ब्रांड की मांग में उछाल आया।

टियर 2 और उससे आगे के शहरों ने अमेजन के लिए प्रीमियम स्मार्टफोन की बिक्री में 70 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया।

85 प्रतिशत से अधिक ग्राहक गैर-मेट्रो शहरों से आए और 50 प्रतिशत से अधिक टीवी खरीदारी टियर 2 और 3 शहरों से हुई।

अमेजन इंडिया के अनुसार, टियर 2 शहरों से बड़े उपकरणों की मांग में 25 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसमें ग्राहक एयर कंडीशनर और रेफ्रिजरेटर को प्राथमिकता दे रहे हैं।

ब्रांड ने भी त्योहारी मांग को देखते हुए कई महत्वाकांक्षी ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने की कोशिश की। परिणामस्वरूप ब्रांड टियर 2 शहरों और उससे आगे के कम पहुंच वाले ग्राहकों तक पहुंच बनाने और लाभ कमाने में कामयाब रहे।

होम और किचन अप्लायंसेज जैसी नई कैटेगरी ने क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर पकड़ बनाई, जिससे प्लेटफॉर्म को अपने औसत ऑर्डर मूल्य और लाभ को बढ़ाने में मदद मिली।

छठ पर 12,000 करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनुमान : कैट

नई दिल्ली

करवा चौथ, धनतेरस और दीपावली के बाद अब देश में चार दिवसीय छठ की शुरुआत हो रही है। त्योहारी सीजन में बिक्री पर नजर रखने वाले कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ओर से छठ पर्व पर अपेक्षित बिक्री के आंकड़े जारी किए गए हैं।

कैट के अनुसार, इस साल छठ पर पूरे देश में 12,000 करोड़ रुपये का व्यापार होगा। इसके अलावा, करीब 15 करोड़ लोग छठ पूजा से जुड़े अनुष्ठानों में भाग लेंगे।

विशेष रूप से बिहार और झारखंड के लोगों द्वारा मनाया जाने वाला यह पर्व दिल्ली में हर वर्ष बड़े ही धूमधाम से मनाया जाता है। दिल्ली में पूर्वांचल के लोगों की अच्छी-खासी आबादी है, जो कि चांदनी चौक, सदर बाजार, मॉडल टाउन, अशोक विहार, शालीमार बाग, पीतमपुरा, रानी बाग, उत्तम नगर, तिलक नगर में बसती है।

इसके अलावा, दिल्ली के कई दूसरे इलाकों में भी छठ के दौरान खरीदारी के लिए खास कर पूजा से जुड़े सामान के लिए लोग बाजारों की तरफ रुख कर रहे हैं। बिहार, झारखंड और दिल्ली के अलावा, देश के कई दूसरे राज्यों में इस पर्व की चकाचौंध देखने को मिल रही है।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बीसी भरतिया ने कहा कि बिहार और झारखंड के अलावा छठ पूजा पूर्वी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, महाराष्ट्र, राजस्थान, छत्तीसगढ़, विदर्भ और मध्य प्रदेश में भी बड़े उत्साह के साथ मनाई जाती है।

कैट के महासचिव और सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने छठ पर्व की महत्ता पर जोर देते हुए कहा, छठ पूजा केवल एक धार्मिक त्योहार नहीं है, बल्कि यह भारतीय संस्कृति का एक अभिन्न अंग है, जो सामाजिक एकता और समर्पण को दर्शाता है। यह व्यापार को भी बढ़ावा देता है और स्थानीय उत्पादकों को सीधा लाभ देता है, जो पीएम नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत के दृष्टिकोण को पुष्ट करता है।

हॉकी इंडिया लीग की वेबसाइट लॉन्च और लीग शेड्यूल का खुलासा

नई दिल्ली

हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के 2024-2025 संस्करण के लिए एक समर्पित लीग वेबसाइट लॉन्च की गई और बहुप्रतीक्षित सीजन के शेड्यूल की घोषणा की गई। 28 दिसंबर को राउरकेला के बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में दिल्ली एसजी पाइपर्स और गोनासिका के बीच रोमांचक मैच के साथ शुरू होने वाला एचआईएल का नया संस्करण एक्शन से भरपूर वापसी का वादा करता है।

एचआईएल की नई लॉन्च की गई वेबसाइट -हॉकीइंडियालीगडॉटकॉम- दुनिया भर के प्रशंसकों को लीग की ताज़ा ख़बरों, मैचों के शेड्यूल, पूरी टीम की सूची और एक्सक्लूसिव वीडियो कंटेंट तक आसान पहुंच प्रदान करती है। एक आकर्षक और इमर्सिव अनुभव देने के लिए डिजाइन की गई यह वेबसाइट एचआईएल से जुड़ी सभी चीज़ों के लिए अंतिम स्रोत होगी, जो प्रशंसकों, खिलाड़ियों और हॉकी के दीवानों को पहले से कहीं ज़्यादा खेल के करीब रखेगी।

एनटीपीसी और ओएनजीसी ग्रीन एनर्जी सेक्टर में कारोबार के लिए बनाएंगी ज्वाइंट वेंचर

नई दिल्ली

पब्लिक सेक्टर की महारत्न कंपनियों एनटीपीसी और ओएनजीसी ने ग्रीन एनर्जी क्षेत्र में काम कर रही अपनी सहयोगी कंपनियों एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) और ओएनजीसी ग्रीन लिमिटेड (ओजीएल) के माध्यम से ज्वाइंट वेंचर बनाने का फैसला किया है। इसका उद्देश्य रिन्यूएबल और न्यू एनर्जी सेक्टर में तेजी से प्रोजेक्ट्स को आगे बढ़ाना है।

ऊर्जा मंत्रालय की ओर से कहा गया कि इंडिया एनर्जी वीक-2024 के दौरान 7 फरवरी 2024 को ज्वाइंट वेंचर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर करने और दीपम एवं नीति आयोग से आवश्यक वैधानिक अनुमोदन प्राप्त करने के बाद, एनजीईएल ने कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय के पास ओजीएल के साथ 50:50 की साझेदारी में एक ज्वाइंट वेंचर बनाने के लिए आवेदन दिया है।

इस ज्वाइंट वेंचर के जरिए सोलर, विंड, एनर्जी स्टोरेज, ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया, ई-मोबिलिटी, कार्बन क्रेडिट्स और ग्रीन क्रेडिट्स में मौजूद अवसरों का लाभ उठाया जाएगा।

मंत्रालय ने आगे कहा कि ज्वाइंट वेंचर रिन्यूएबल एनर्जी एसेट्स के अधिग्रहण के अवसरों की तलाश करेगा। वहीं, तमिलनाडु और गुजरात में आगामी ऑफशोर विंड टेंडर्स में भागीदारी पर भी विचार करेगा।

एनजीईएल और ओजीएल के बीच रणनीतिक साझेदारी स्थायी ऊर्जा पहल को आगे बढ़ाने की दिशा में एक ठोस प्रयास का प्रतीक है, जो हरित भविष्य के लिए देश के महत्वाकांक्षी लक्ष्यों के साथ निकटता से जुड़ा हुआ है।

न्यू एंड रिन्यूएबल एनर्जी राज्य मंत्री श्रीपद येसो नाइक ने हाल ही में रिन्यूएबल एनर्जी क्षेत्र में भारतीय मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और अन्य प्रोत्साहनों पर उद्योग प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की।

इस दौरान नाइक ने इंडस्ट्री एसोसिएशन को मंत्रालय से पूरा समर्थन मिलने का भरोसा दिया है। साथ ही कहा कि भारत को कम कार्बन अर्थव्यवस्था बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है।

ऐतिहासिक सफलता के पीछे न्यूजीलैंड की अनुकूलन क्षमता : एजाज पटेल

मुंबई

न्यूजीलैंड ने भारत को 3-0 से ऐतिहासिक रूप से हराया, जिसमें टीम ने विभिन्न प्रकार की चुनौतियों पर विजय प्राप्त की। उनमें से सबसे बड़ी बाधा पिचों की प्रकृति थी, जिसमें बेंगलुरु, पुणे और मुंबई में टीमों के लिए अलग-अलग परिस्थितियां थीं।

पहले टेस्ट के लिए पिच में मौसम की बड़ी भूमिका थी और न्यूजीलैंड ने पहली पारी में भारत को हराने के लिए तेज गति के अनुकूल परिस्थितियों का भरपूर लाभ उठाया, जिसने अनिवार्य रूप से खेल को अपने पक्ष में कर लिया। पुणे का विकेट, हालांकि स्पिन के लिए सहायक था, धीमा था और धीमे गेंदबाजों को इसे फिर से समायोजित करने की आवश्यकता थी। फिर से, मेहमान टीम ने परिस्थितियों को बेहतर तरीके से समझा और मिशेल सेंटनर की अगुआई में उनके स्पिनरों ने भारत के खिलाफ न्यूजीलैंड की पहली सीरीज जीत की नींव रखी। फिर मुंबई आया और इस बार एजाज पटेल ने परिचित परिस्थितियों में गेंदबाजी की, क्योंकि उन्होंने न्यूजीलैंड को ऋषभ पंत की चुनौती से पार पाने में मदद की और भारत में वाइटवॉश (न्यूनतम 3 टेस्ट) हासिल करने वाली पहली टीम बन गई।

जूम कॉन्फ्रेंस में मीडिया से बात करते हुए, एजाज ने न्यूजीलैंड के सामने आने वाली विभिन्न परिस्थितियों और चुनौती का सामना करने के लिए उनकी तैयारियों पर प्रकाश डाला। तीन अलग-अलग सतहें और तीन अलग-अलग मैच रहे हैं, और मुझे लगता है कि हम अच्छी तरह से जानते हैं कि एशिया जाने की चुनौतियों में से एक यह है कि परिस्थितियां हर समय बदलती रहती हैं और आपको अनुकूल होना पड़ता है और मैच के भीतर भी परिस्थितियां बहुत तेज़ी से बदलती हैं। मेरा मतलब है कि इस मुंबई टेस्ट में भी मैं गेंदबाजी कर रहा था...मुझे लगता है कि पहली पारी में और मुझे लगा कि मैं वास्तव में अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूँ, लेकिन विकेट वास्तव में टर्न नहीं कर रहा था और फिर मैं लंच के बाद वापस आया और अचानक सब कुछ होने लगा।

एजाज, जिन्होंने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड ने उपमहाद्वीप में विभिन्न पिचों का सामना करने के लिए अपने घर पर अच्छी तैयारी की थी,ने कहा, तो मुझे लगता है कि जब आप उपमहाद्वीप में आते हैं तो यह उस कौशल सेट और उस सीमा के बारे में होता है, चाहे वह 90 के दशक में गेंदबाजी करना हो या 80 के दशक में गेंदबाजी करना हो और शुरू से ही उन सीमाओं में अनुकूलन करने में सक्षम होना। यह सतह को जल्दी से पढ़ने के बारे में भी है क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि परिस्थितियां निरंतर (दर) से बदलती हैं।

वित्तीय प्रदर्शन और ग्रोथ आउटलुक में सुधार होने तक स्विगी आईपीओ से दूर रहे निवेशक : ब्रोकरेज

नई दिल्ली

इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स और कई ब्रोकरेज फर्म की ओर से निवेशकों को फूड डिलीवरी कंपनी स्विगी के आईपीओ में पैसा नहीं लगाने की सलाह दी गई है। साथ ही कहा गया है कि कंपनी के वित्तीय प्रदर्शन और ग्रोथ आउटलुक में सुधार होने तक निवेशकों को इंतजार करना चाहिए।

स्विगी का आईपीओ 6 नवंबर से रिटेल निवेशकों के लिए खुल रहा है। कंपनी की योजना पब्लिक इश्यू के जरिए 11,327.43 करोड़ रुपये जुटाने की है।

स्विगी आईपीओ में 4,499 करोड़ रुपये मूल्य के 11.54 करोड़ इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू और 6,828.43 करोड़ रुपये मूल्य के 17.51 करोड़ शेयरों का ऑफर-फॉर-सेल (ओएफएस) शामिल है।

सैमको सिक्योरिटीज ने निवेशकों को एक नोट में कहा कि जब तक स्विगी बेहतर वित्तीय परिणाम और स्थायी विकास के लिए एक स्पष्ट रास्ता नहीं दिखाती तब तक इंतजार करना निवेशकों के लिए अधिक विवेकपूर्ण फैसला होगा।

ब्रोकरेज फर्म ने कहा कि वित्त वर्ष 24 में स्विगी ने घाटा दर्ज किया था। हाल ही में मुनाफे में आई इसकी मुख्य प्रतिद्वंदी कंपनी जोमैटो के मुकाबले स्विगी की मौजूदा वित्तीय स्थिति, बाजार में प्रतिस्पर्धा और वैल्यूएशन को देखते हुए आईपीओ ओवर-वैल्यूड प्रतीत होता है।

स्विगी ने पिछले वित्त वर्ष में 2,350 करोड़ रुपये का शुद्ध घाटा दर्ज किया था। हालांकि, यह वित्त वर्ष 23 में हुए 4,179 करोड़ रुपये के घाटे से 44 प्रतिशत कम था। वित्त वर्ष 2024 में कंपनी की आय 36 फीसदी बढ़कर 11,247 करोड़ रुपये हो गई है, जो कि इससे पिछले साल 8,265 करोड़ रुपये थी।

ब्रोकरेज फर्मों के अनुसार, 2014 में अपनी स्थापना के बाद से ही स्विगी लगातार घाटा दर्ज कर रही है। इसकी वजह उच्च ऑपरेशनल लागत का होना है।

बजाज ब्रोकिंग ने अपने नोट में कहा कि स्विगी के बिजनेस में बड़ी रिस्क जोमैटो, जेप्टो और बाजार में आ रही नई कंपनियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा होना है।

ब्रोकिंग फर्म ने आगे कहा कि स्विगी के साथ सबसे बड़ी रिस्क यह है कि कंपनी आय के लिए केवल भारत के शीर्ष 50 शहरों पर निर्भर है। खाद्य वितरण नियमों में बदलाव के कारण स्विगी को संभावित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में निवेशकों को केवल लंबी अवधि का नजरिया रखते हुए निवेश करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष: आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। व्यवसायिक मामलों में अपनी जिम्मेदारियों को निभाने के लिए मेहनत करने की जरूरत है। विरोधी आपको नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे।

वृष: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज बिजनेस में बहुत संजीदगी और गंभीरता से काम करने की जरूरत है। बिजनेस बढ़ाने की योजनाओं पर एक बार फिर से विचार करें।

मिथुन: आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी करीबी व्यक्ति से चल रही अनबन दूर होगी। जिन बातों में आपकी ज्यादा रुचि है, उन पर ध्यान देंगे आपको ख़ुशी होगी। आज नए लोगों के साथ जुडऩे से आपको कुछ नया सीखने को मिलेगा।

कर्क: आज आपका दिन बेहतर रहेगा। आपकी पहले से चली आ रही समस्याओं का समाधान मिलेगा, जिससे आपके मन में ख़ुशी रहेगी। परिवार में धार्मिक काम की योजना बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

सिंह: आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। अपने काम को नया रूप देने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों में भी रुचि रहेगी। विद्यार्थियों को प्रतियोगिता से संबंधित गतिविधियों में सफलता मिल सकती हैं।

कन्या- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि कन्या राशि वालों को दैनिक मामलों में थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है. आपको सलाह है कि दैनिक मामलों में बेवजह की बहस सहयोगियों के साथ विवादों और झगड़े को जन्म दे सकती है.

तुला- टैरो कार्ड्स के अनुसार, तुला राशि वाले महत्वाकांक्षा या काम पर दिशा की कमी महसूस कर सकते हैं. आपको ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है. साथ ही आपको अपने व्यसनों पर नियंत्रण रखना होगा.

वृश्चिक- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि वृश्चिक राशिवालों को कई समस्याओं और मतभेदों का आमना-सामना करना पड़ सकता है. जिस वजह से आप थोड़ा असहज महसूस कर सकते हैं. आपको सलाह है कि आज किसी के भी साथ अनावश्यक वाद विवाद करने से बचें.

धनु- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि धनु राशि के लोगों को लिए आज का दिन व्यस्त और खुशहाल दोनों रहने वाला है. आज आपके सामने कई सारे नए अवसर आएंगे. इतना ही नहीं आज की गई यात्राएं आपको अच्छे परिणाम देंगे.

मकर- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि मकर राशि के लोगों को आज किसी विशेष कार्य की चिंता रहने वाली है. आपको सलाह है कि फिलहाल, व्यर्थ की प्रतिस्पर्धा न करें. अजनबियों से सावधान रहें। व्यापार में नुकसान हो सकता है.

कुंभ- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि कुंभ राशि वाले कुछ जातकों को आज संतान सुख प्राप्त हो सकता है. इस राशि वालों को मित्रों और रिश्तेदारों से अप्रत्याशित व्यवहार का सामना करना होगा.

मीन- टैरो कार्ड्स की गणना बता रही है कि मीन राशि के नौकरीपेशा लोगों को पद प्रतिष्ठा आदि का लाभ होगा. कार्य व्यापार में वृद्धि व लगभग सभी तरह के कार्यों में सफलता प्राप्त होगी.

तमन्ना भाटिया की नई फिल्म सिकंदर का मुकद्दर का ऐलान, जिमी शेरगिल भी आएंगे नजर

स्त्री 2 में अपने डांस नंबर से दर्शकों के बीच सुर्खियां बटोरने वाली तमन्ना भाटिया जल्द ही अपनी अगली फिल्म सिकंदर का मुकद्दर में नजर आएंगी। यह फिल्म एक हाई-ऑक्टेन क्राइम ड्रामा होने वाली है, जिसमें अभिनेत्री जिम्मी शेरगिल के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करेंगी। फिल्म में अविनाश तिवारी भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। इस फिल्म की घोषणा इस साल फरवरी में की गई थी। अब, फिल्म की रिलीज से पहले, नेटफ्लिक्स ने फैंस को सिकंदर का मुकद्दर के बिहाइंड द सीन की झलक दिखाई है।

सिकंदर का मुकद्दर का यह पहला वीडियो फैंस को कलाकारों के दिए गए दमदार अभिनय की झलक देता है, जिससे दर्शकों का सस्पेंस सातवें आसमान पर पहुंच गया है। टीजर को शेयर करते हुए, निर्माताओं ने लिखा, 60 करोड़ के हीरे चोरी। एक लंबी तलाश। और एक इंस्पेक्टर जो नहीं मानेगा हार। सिकंदर का मुकद्दर, जल्द ही आ रहा है। टीजर में तमन्ना बेहद अलग और दमदार अवतार में नजर आई हैं। मेकर्स की मानें तो फिल्म में अभिनेत्री का किरदार काफी यूनिक होने वाला है। यही नहीं, फिल्म में कई सारे ट्विस्ट भी देखने को मिलेंगे।

सिकंदर का मुकद्दर की पहली झलक ने नेटिजंस को काफी प्रभावित कर दिया। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा, यह टीजर बहुत ही बढ़िया लग रहा है। दूसरे ने यूजर ने लिखा, नीरज पांडे और जिमी शेरगिल हैं मजा तो आएगा गुरु। तीसरे यूजर ने लिखा था, स्त्री 2 के बाद तमन्ना का फैन बन गया हूं, अब उनकी इस फिल्म में देखने का बेसब्री से इंतजार है।

सिंघम अगेन ने पार किया 100 करोड़ रुपए का आंकड़ा, तीसरे दिन जुटाए 35 करोड़ रुपए

पिछले लंबे वक्त अजय देवगन फिल्म सिंघम अगेन को लेकर चर्चा में हैं। उनकी यह फिल्म दिवाली के मौके पर यानी 1 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है।एक्शन से भरपूर इस फिल्म को समीक्षकों के साथ-साथ दर्शकों का बेशुमार प्यार मिल रहा है, जिसके चलते इसने महज 3 दिन में घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपये की कमाई का आंकड़ा पार कर लिया हैआइए जानते हैं सिंघम अगेन ने तीसरे दिन कितने करोड़ रुपये कमाए।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, सिंघम अगेन ने अपनी रिलीज के तीसरे दिन यानी पहले रविवार को 35 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 121 करोड़ रुपये हो गया है।सिंघम अगेन ने 43.5 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी, वहीं दूसरे दिन इस फिल्म ने 42.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया था।

विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का एक्शन से भरपूर ट्रेलर रिलीज़

मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर रिलीज़ हुआ। विश्वक सेन की मैकेनिक रॉकी का ट्रेलर एक्शन से भरपूर है।

विश्वक सेन की आगामी एक्शन थ्रिलर, मैकेनिक रॉकी, 22 नवंबर को रिलीज़ के लिए तैयार है, और इसका पहला ट्रेलर अभी-अभी रिलीज़ हुआ है, जिससे दर्शकों में और भी ज़्यादा देखने की चाहत पैदा हो गई है।

ट्रेलर, जिसका शीर्षक ट्रेलर 1.0 है, में विश्वक सेन को एक नए अवतार में दिखाया गया है, जिसमें वह एक रहस्यमय अतीत और कौशल के भंडार वाले मैकेनिक की भूमिका निभा रहे हैं। एक्शन सीक्वेंस तीव्र और अच्छी तरह से कोरियोग्राफ किए गए हैं, जो दर्शकों के लिए एक रोमांचक सवारी का संकेत देते हैं।

फिल्म में मीनाक्षी चौधरी और श्रद्धा श्रीनाथ के साथ विश्वक सेन की प्रमुख भूमिकाएँ निभाने वाली एक मजबूत महिला उपस्थिति भी है। ट्रेलर में पात्रों के बीच जटिल रिश्तों और पेचीदा गतिशीलता का संकेत दिया गया है, जो कहानी में एक और रहस्य जोड़ता है।

समीक्षकों द्वारा प्रशंसित गामी और एक्शन से भरपूर गैंग्स ऑफ़ गोदावरी के बाद मैकेनिक रॉकी 2024 में विश्वक सेन की तीसरी फ़िल्म रिलीज़ है। गामी की सफलता ने मैकेनिक रॉकी के लिए उच्च उम्मीदें लगाई हैं, और ट्रेलर ने निश्चित रूप से दर्शकों के बीच चर्चा पैदा की है।

विश्वक सेन अपनी बहुमुखी प्रतिभा और विविध भूमिकाएँ निभाने की इच्छा के लिए जाने जाते हैं। उनकी आने वाली परियोजनाओं की सूची अपनी प्रतिभा और रेंज को और अधिक प्रदर्शित करने का वादा करती है। वह वर्तमान में राम नारायण द्वारा निर्देशित लैला पर काम कर रहे हैं, जिसमें वह एक अनोखी महिला किरदार में नज़र आएंगे, साथ ही श्रीधर गंटा द्वारा निर्देशित एक एक्शन फ़िल्म और ब्लॉकबस्टर जाथी रत्नालु के लिए जाने जाने वाले अनुदीप केवी के निर्देशन में एक फ़िल्म भी कर रहे हैं।

शब्द सामर्थ्य- 227

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

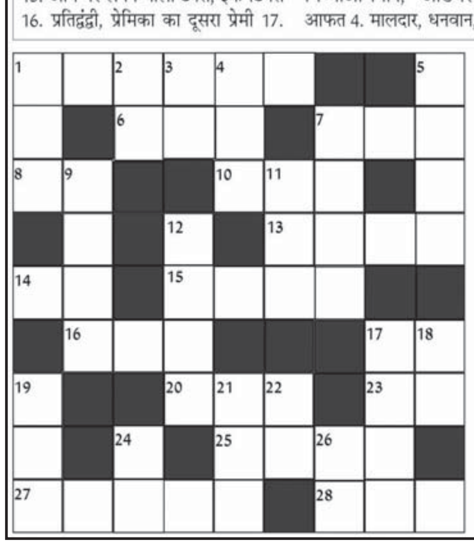

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 226 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

सू-दोकू- 227

	8				1		5	
6			8			2		3
	3				2		1	
		3		9		5		4
5			3				9	
		4		2				6
4			2		3		6	
		6				8		7
	2	9	7		6			

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल

सू-दोकू क्र 226 का हल

5	3	9	7	4	8	6	2	1
2	1	6	5	9	3	4	7	6
4	7	8	1	6	2	3	5	9
3	6	1	8	5	9	2	4	7
8	5	2	3	7	4	1	9	6
7	9	4	2	1	6	8	3	5
6	4	7	9	2	1	5	6	3
1	8	5	4	3	7	9	6	2